UNIVERSITY NEWS 10 APRIL 2026

TIMES OF INDIA

LU: CCTVs must for practical examinations

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University (LU) has made CCTV surveillance mandatory for practical examinations across all affiliated colleges and departments to curb the use of unfair means.

Earlier, only theory examinations were held under CCTV surveillance, while practical exams were supervised by individual colleges and examiners without any mandatory monitoring system.

Colleges have been instructed to set up proper CCTV control rooms, if not already available, and ensure the smooth functioning of the system. The new system will come into effect from the upcoming practical examination cycle scheduled for next month.

Controller of examinations Vidyanand Tripathi said, "Official instructions have been issued to all colleges, making CCTV monitoring compulsory during practical exams. Institutions will have to store CCTV recordings for a minimum period of three months."

The university will conduct random checks of the recorded footage to ensure compliance with the guidelines.

NBT

एलयू में अब इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स बनेंगे गुरु, 'प्रफेसर ऑफ प्रैक्टिस' को मंजूरी

■ NBT न्यूज, लखनऊ : एलयू के छात्र अब केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें समाज और उद्योगों के दिग्गज भी पढ़ाएंगे। विवि की विद्या परिषद ने 'प्रफेसर ऑफ प्रैक्टिस' और 'एडजंक्ट फैकल्टी' के चयन के दिशा-निर्देशों को मंजूरी दे दी है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत उठाया गया है।

किसे मिलेगा मौका?

विवि के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव के अनुसार, विज्ञान, तकनीक, वाणिज्य, मीडिया, कानून, सशस्त्र बल और कला जैसे क्षेत्रों में कम से कम 15 साल का अनुभव रखने वाले आवेदन कर सकेंगे। इनके लिए पारंपरिक शैक्षणिक डिग्री या रिसर्च पेपर की अनिवार्यता नहीं होगी।

क्या होगा लाभ?

व्यावहारिक ज्ञान: छात्रों को इंडस्ट्री के रियल-टाइम अनुभव का लाभ मिलेगा।

अवधि: नियुक्ति शुरुआत में 1 साल के लिए होगी, जिसे 4 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

भूमिका: ये विशेषज्ञ पाठ्यक्रम तैयार करने और छात्रों को मेंटर करने में मदद करेंगे।

इसके अलावा, एडजंक्ट फैकल्टी के रूप में नीति निर्माता और शिक्षाविद भी शोध और वर्कशॉप के जरिए छात्रों का कौशल विकास करेंगे।

HINDUSTAN

15 साल का अनुभव है तो एलयू में पढ़ाने का अवसर

मंजूरी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा को उद्योग और समाज से जोड़ने की दिशा में अहम कदम उठाया है। विवि की प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस और एडजंक्ट फैकल्टी के चयन के लिए विद्या परिषद से मंजूरी मिल गई है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति और यूजीसी अनुरूप है।

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद के जरिए विज्ञान, तकनीक, वाणिज्य, मीडिया, सिविल सेवा, सशस्त्र बल, कानून और कला जैसे क्षेत्रों के अनुभवी पेशेवरों को पढ़ाने के लिए जोड़ा जाएगा। इन पदों के लिए कम से कम 15 साल का व्यावसायिक अनुभव जरूरी होगा, पारंपरिक शैक्षणिक योग्यता और शोध पत्रों की अनिवार्यता में छूट दी गई है। प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि यह पहल शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रासंगिक, गतिशील और वास्तविक दुनिया की जरूरतों के अनुरूप बनाने की दिशा में परिवर्तनकारी कदम है।

AMAR UJALA

पहल | लखनऊ विश्वविद्यालय प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस और एडजंक्ट फैकल्टी का करेगा चयन

उद्योग जगत के अनुभवी अब बन सकेंगे गुरुजी

संवाद न्यूज एजेंसी

15 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव होना है जरूरी

30 हजार रुपये महीना वेतन मिलेगा

लखनऊ। उद्योग जगत का अनुभव रखने वालों के पास लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षक बनने का अवसर है। इसके लिए कम से कम 15 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव होना जरूरी है। उच्च शिक्षा को उद्योग और समाज की जरूरतों के साथ जोड़ने के लिए लविवि ने पहली बार प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस और एडजंक्ट फैकल्टी के चयन का नियम बनाया है। विद्या परिषद ने भी इसे पारित कर दिया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और यूजीसी के निर्देश पर यह पहल की गई है। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, वाणिज्य, मीडिया, सिविल सेवा, सशस्त्र बल, कानून और ललित कला जैसे क्षेत्रों के प्रतिष्ठित पेशेवरों को शैक्षणिक परिवेश में लाना है।

चयनितों को अधिकतम करीब 30 हजार रुपये महीना वेतन मिलेगा। कक्षाओं की संख्या के अनुसार अतिरिक्त वेतन भी दिया जाएगा।

विद्यार्थियों को यह होगा फायदा

इन नियुक्तियों से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस उद्यमिता को बढ़ावा देने, छात्र परियोजनाओं का मार्गदर्शन करने और उद्योग के साथ अनुसंधान सहयोग व परामर्श गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

- **एक निश्चित अवधि के लिए होगी नियुक्ति** समन्वयक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि शुरुआत में एक वर्ष के लिए नियुक्ति होगी। प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर इसे अधिकतम चार वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। छात्रों के फीडबैक से योगदान का मूल्यांकन किया जाएगा।
- **पाठ्यक्रम तैयार करने की भी होगी अनुमति** ये शिक्षक प्रो-विशेषज्ञ के रूप में पाठ्यक्रम तैयार करने, शिक्षण, मार्गदर्शन, नवाचार और उद्योग जगत के साथ सहयोग को मजबूत करने में योगदान देंगे। इन नियुक्तियों के लिए जरूरत के अनुसार औपचारिक शैक्षणिक योग्यता और शोध प्रकाशन की छूट दी गई है।

शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रासंगिक, गतिशील और वास्तविक दुनिया की जरूरतों के अनुरूप बनाने की दिशा में यह अहम कदम है। हमारा लक्ष्य उद्योग जगत के नेताओं और अनुभवी पेशेवरों को शैक्षणिक क्षेत्र में लाकर छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान, उद्यमशीलता कौशल और वैश्विक दृष्टिकोण देना है।

-प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

HINDUSTAN

2 एलयू में छह पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी हुए

एलयू में 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के छह पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। इसे विद्यार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने अनुक्रमांक व जन्म तिथि के जरिए जाकर देख सकते हैं।

AAJ

विश्वविद्यालयों में शोध कार्यों के पेटेंट के साथ हो उनका प्रचार-प्रसार- आनंदीबेन

लखनऊ। विश्वविद्यालय में किए जा रहे शोध कार्यों के पेटेंट कराने से ही शोध की उपयोगिता सिद्ध होती है और उसका लाभ आम जनमानस तक पहुंचता है। उक्त उद्गार गुरुवार को प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल जन भवन में हस्कोट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति एवं अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में व्यक्त किये। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रमुख शोध कार्यों एवं प्रोजेक्ट्स को संकलित कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाए तथा अन्य विश्वविद्यालयों के साथ साझा किया जाए, जिससे ज्ञान का आदान-प्रदान एवं परस्पर प्रेरणा को बढ़ावा मिल सके। राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न संस्थानों के साथ एमओयू के माध्यम से भी शोध कार्यों को आगे बढ़ाया जाए। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय के भवनों का निर्माण विद्यार्थियों की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बजट का प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों को उसका वास्तविक लाभ प्रदान किया जाए। इसके अलावा उन्होंने छात्रावासों में स्वच्छता एवं भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा उन्हें बाहरी भोजन पर निर्भर होने से रोका जाए। बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने विभागों का प्रस्तुतीकरण किया गया तथा आगामी पांच वर्षों का विजन प्रस्तुत किया गया।

भारतीय रेल विषय पर संगोष्ठी

लखनऊ। भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ द्वारा स्टील सप्लाई चेन और भारतीय रेल विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों तथा रेलवे अधिकारियों ने भाग लिया और स्टील क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स दक्षता तथा नीतिगत ढांचे को सुदृढ़ करने पर विचार-विमर्श किया। संगोष्ठी का उद्घाटन संस्थान के महानिदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर के द्वारा किया गया।

AMAR UJALA

अंग्रेजी शिक्षण में बदलाव की जरूरत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रो. आरपी. सिंह ने बृहस्पतिवार को बदलते तकनीकी परिवेश में अंग्रेजी शिक्षण पद्धतियों में बदलाव की जरूरत पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वैश्वीकरण और एआई के प्रभाव से अंग्रेजी सीखने-सिखाने के तरीके बदले हैं। उन्होंने शेक्सपियर के द टेम्पेस्ट के उदाहरण से नए शिक्षण मॉडल सुझाए। इंडोनेशिया की यूनिवर्सिटीज मोहम्मदिया कोटभूमि, लैम्पुंग-उतरा की ओर से ऑनलाइन आयोजित फर्स्ट ग्लोब फोरम 2026 में प्रो. सिंह ने कीनोट संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि मानव क्षमता, क्षेत्रीय संस्कृति और तकनीक के समन्वय से शिक्षण को नए आयाम मिलेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

अब विद्यार्थियों के फीडबैक से प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस का सेवा विस्तार

लखनऊ: लविं ने उच्च शिक्षा को उद्योग व समाज की जरूरतों के साथ जोड़ने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस और एडजंक्ट फैकल्टी के चयन के लिए तैयार किए गए मानक विद्या परिषद से पारित कर दिए हैं। अभी तक प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के चयन के लिए आवेदन कुलपति के माध्यम से आमंत्रित किए जाते थे। अब चयन कमेटी करेगी। इसमें न्यूनतम 15 वर्षों का व्यावसायिक अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ आवेदन कर सकेंगे, जबकि पारंपरिक शैक्षणिक योग्यता और शोध पत्रों की अनिवार्यता में छूट रहेगी। सेवा विस्तार से पहले विद्यार्थियों का फीड बैक भी लिया जाएगा। कुलपति प्रो. जेपी सैनी का कहना है कि हमारा लक्ष्य अपने छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान, उद्यमशीलता कौशल और वैश्विक दृष्टिकोण से लैस करना है। (जासं)

HINDUSTAN TIMES

LU set for industry-focused BCom courses to boost employability

Godhooli Sharma
godhooli.sharma@htlive.com

BOTH COURSES ARE PROPOSED IN AN 8-SEMESTER FORMAT, WITH A MANDATORY TWO-SEMESTER APPRENTICESHIP COMPONENT

LUCKNOW: With a new vice-chancellor at the helm, the University of Lucknow (LU) is looking to boost student employability by introducing industry-oriented programmes, including two new BCom courses set to roll out from July this year.

According to the India Skills Report 2025, only around 55% of Bachelor of Commerce (BCom) graduates are considered employable, with the rest lacking industry-relevant skills in an increasingly AI-driven workplace. In response, LU is planning to launch BCom in Retail Management and BCom in E-Commerce to bridge this gap.

Both programmes are proposed in an eight-semester format, with a mandatory two-semester apprenticeship component. Students will earn 16 credits per semester during the apprenticeship phase — eight based on submission of a report and eight through viva-voce and final presentation, said prof Ram Milan, head of the commerce department.

"Designed in compliance with the National Education Policy, 2020, these new-gen 'oriental' courses will help students become employable. These programmes are designed in a way that students become capable of checking the boxes required for job opportunities," he added.

Prof Milan said that even affiliated colleges would be able to offer the courses. "Both the courses are designed as per the directive of UP government which will help students in providing apprenticeship," he added.

Under the structure, students will receive a certificate after the first two semesters, a diploma after the third and fourth, and a graduation degree after completing six semesters. Those who complete the full two-year apprenticeship will be awarded a BCom (Hons) with apprenticeship.

A course in finance, banking and insurance is also being started in the applied economics department.

"These courses are being planned for those disciplines which require practical knowledge and field exposure. It will ensure students become more industry-ready when compared to the normal courses," LU vice-chancellor prof JP Saini said.

'Professors of practice', 'adjunct faculty' selection criteria approved

LUCKNOW: Seeking to align higher education with industry and societal needs, the criteria for the selection of 'professors of practice' and 'adjunct faculty' were approved by the Lucknow University's academic council in a meeting held recently.

LU spokesperson prof Mukul Srivastava said the 'professors of practice' category will bring professionals from diverse fields such as science, technology, commerce, media, civil services, armed forces, law and fine arts into academia. Individuals with 15 years of professional experience will be eligible to apply, and will contribute to curriculum design, teaching, mentoring, innovation and strengthening industry linkages.

Through 'adjunct faculty' positions, academics, industry professionals, policymakers and domain experts will be engaged in teaching, training and research activities. HTC